मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MTT-044

सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

एम.टी.टी.-044 : अनुवाद प्रक्रिया और प्रविधि : सिंधी-हिंदी-सिंधी का संदर्भ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. 'अनुवादक के भ्रामक मित्र' (False friends of translator) की अवधारणा को उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए। 20

2. अनुवाद कर्म करने वाले व्यक्ति से क्या अपेक्षाएँ की जाती हैं ? व्याख्या कीजिए। 20

3. सारानुवाद से क्या अभिप्राय है ? सारानुवाद और सामान्य अनुवाद का संबंध स्पष्ट कीजिए। 20

4. लिप्यंतरण क्या है ? सिंधी सहित भारतीय भाषाओं के बीच परस्पर लिप्यंतरण के महत्व पर प्रकाश डालिए। 20

5. पार्श्ववाचन क्या है ? पार्श्ववाचन और अनुवाद में अंतर्संबंध और अंतर की चर्चा कीजिए। 20

6. मशीनी अनुवाद की चुनौतियों का विवेचन कीजिए। 20

7. 'कोश निर्माण : सिंधी का विशेष संदर्भ' विषय पर निबंध लिखिए। 20

8. 'पारिभाषिक शब्दावली' का अर्थ स्पष्ट करते हुए सामान्य एवं परिभाषिक शब्द में समानता और अंतर का विवेचन कीजिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10×2=20

   (क) मशीनी अनुवाद के प्रकार

   (ख) बीसवीं शताब्दी में स्वतंत्रता-पूर्व सिंधी कोश साहित्य के विकास की सामान्य प्रवृत्तियाँ

   (ग) विभाजन-पश्चात् सिंधी पारिभाषिक शब्दावली का विकास

   (घ) डबिंग और सबटाइटलिंग में अंतर